दि0 28, सितम्बर, 2015

प्रकाशनार्थ

सुमन विद्या निकेतन इण्टर कालेज, नैनी में क्रियायोग मास्टर व वैज्ञानिक स्वामी श्री योगी सत्यम् ने क्रियायोग विज्ञान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थीओं व शिक्षाकों को क्रियायोग ध्यान का अभ्यास कराया । स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान समय में सभी अच्छे लोगो के लिए शान्ती और समृद्धि का समय है। भविष्य में अच्छी फसले होगी व पेड़–पौधे अच्छे फल देगे।

क्रियायोग ध्यान कराते हुऐ स्वामी जी ने स्पष्ट किया कि क्रियायोग ध्यान में हमे अपने स्वरूप सिर से पैर की अगुँली में ध्यान केन्द्रित करते है। मनुष्य का आलैकिक दृश्य स्वरूप 24 तत्वों का संयुक्त समुह है। जब हम अपने स्वरूप में एक्रागता बढ़ाते है, तो हमें मानव, जीव जन्तु व प्रकृति से जुड़ने का ज्ञान प्राप्त होता है। क्रियायोग ध्यान से मनुष्य सबसे जुड़ने का ज्ञान प्राप्त करता है व ऐसे व्यक्तियों के कारण सामाजिक, राष्ट्रीय व अन्तःराष्ट्रीय एकता स्थापित होती है।

स्वामी श्री योगी सत्यम् जी के साथ सुमन विद्या निकेतन इण्टर कालेज में अमेरिका, कनाडा, ब्राजील व सिंगापुर से आये अनेको साधकों ने सिरकत ली। कालेज के प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए स्वामी श्री योगी सत्यम् का परिचय दिया।